~~२०२~~
14/11/18

परंपरा और आधुनिकता के बीच की ~~(174)~~ टकराहट

निबंध लेखन

343

रूपरेखा

1) प्रस्तावना
2) परंपरा से तात्पर्य
3) आधुनिकता से तात्पर्य
4) परंपरा और आधुनिकता का संबंध
5) आधुनिकता से हानिया
6) युवाओ पर असर
7) उपसंहार

1) प्रस्तावना :- ~~परंपर~~ परंपरा ~~से~~ का मतलब है जो पीढी दर पीढी ~~जीन~~ जिन नियमो का हम पालन करते आ रहे हैं और आधुनिकता का अर्थ है जो नई सोच द्वारा उत्पन्न हुई ~~चीजे आ है~~। परंपरा हमे अपने पूर्वजों द्वारा मिलता है और आधुनिकता शास्त्र द्वारा। परंपरा और आधुनिकता को एक साथ ले ~~किसी आदमी~~ चलने बहुत ही मुश्किल हैं क्योंकि परंपराओं से एकदम बिपरीत है आधुनिकता। इसी कारण परंपरा और आधुनिकता मे टकराहट होते रहते हैं। ~~आधुनिकता द्वारा~~ शास्त्र द्वारा उत्पन्न किए गए आधुनिकता मे जो भी आता है वह सब परंपराओ और रीति रिवाजो से हट के होता है।

2) परंपरा से तात्पर्य :- परंपरा का अर्थ है रीति रिवाज अर्थात जो काम पूर्वजो द्वारा चालू

किया गया है उसे हम अभी भी करते आ रहे हैं तो वह परंपरा कहलाती है। हमारा भारत देश संस्कृति और परंपराओं का देश कहलाया जाता है। हमारे देश में विभिन्न जातीयाँ भाषाए, रिवाजो के लोग रहते हैं जिस कारण विभिन्न प्रकार की परंपराए हमारे देश में चलती आ रही हैं। हमारे देश में अच्छी परंपराए चलती आ रही हैं। हमारे देश के लोगो की संस्कृति और परंपराओं द्वारा ही देश का निर्माण हो पाता है। इनके द्वारा ही देश को हम सफलता तक पहुँचा सकते हैं। परंपराए द्वारा ही देश की युवा पीढी को आगे बढने का मौका मिल पाता है। क्योंकि सब लोग इनके संस्कृति और परंपराओं को नोटिस करते हैं। हमारे परंपराओं में बुजुर्गों का मान करना, अध्याप-कों का सम्मान करना, अपने दोस्तो से प्रेम करना किसी से लड़ाई जगड़ा नहीं करना यह सब हमारे परंपरा के अंतर्गत आता है। हमारे परंपराओं में प्रभुओं की आराधना करना, उनको खुश रखना उनका सम्मान करना इत्यादि यह सब आते हैं। इन सब चीजो द्वारा ही हम अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हो पाते हैं और हमारे साथ-साथ अपने देश को भी उन्नति के राह पर चलाते हैं। हमारा देश विभिन्न प्रकार की परंपराओं का एक झुण्ड है जिसमे विभिन्न जातीया जैसे ईसाई, हिन्दू, मुसलमान, जैन, सिख, बुद्ध आदि लोग आते जिनके विभिन्न और उच्चतम परंपराए हैं।

3) आधुनिकता से तात्पर्य :- आधुनिकता का अर्थ है जो बदलावट हमे शास्त्र द्वारा मिले हैं हों। आधुनिकता का ~~शि~~ विशेष कारण मानव की बुद्धि है। मानव द्वारा शास्त्र की ~~मदद~~ ~~ह~~ सहायता से की गई नए खोजो को हम आधुनिकता कह सकतें हैं। आधुनिकता का उदाहरण जैसे प्राचीन काल में अगर किसी को कहीं ~~ह~~ दूर जाना होता थों वह गदे पर या पैदल चल कर जाते थे किंतु आज के युग में शास्त्र द्वारा खोज की गई गाड़ीया, हवाई जहाज, पानी का जहाज, रेलगाडि ~~आदि~~ आदि के द्वारा लोग यात्रा करते हैं जिससे उनका समय लाभ होता हैं और शरीर को कोई भी तकलीफ नही होती। आधुनिकता द्वारा ही आज ~~ह~~ दुनिया मे जीवन इतना सफल हो पा रहा हैं। ~~प्र~~ प्राचीन काल मे अगर हमारा ~~कोई~~ कोई साथी दूर रहता हो तो हम उससे कोई भी संपर्क नही कर पाते थे किंतु आज मोबाईल फोन द्वारा हम दुनिया के किसी भी कोने से किसी भी कोने तक चंद ~~मिनले भी मिनटो~~ मे कॉल कर सकतें हैं। इसीलिए कहा जाता है कि आधुनिकता ~~और~~ किसी भी मनुष्य के जीवन को सफल बनाने मे जरूरी हैं।

4) परंपरा और आधुनिकता का संबंध :- परंपराओ और आधुनिकताओ को साथ-साथ ले चलना किसी भी मनुष्य के लिए मुश्किल का काम हैं। क्योंकि जिस प्रकार हमने

देखा कि यह दोनो चीज आपस मे विपरीत (74) है। जिस प्रकार हम देखते परंपरागत तरीके से भारत के लोग पाठशालाओ मे जाकर जीवन जीने ~~की~~ की शैली के बारे मे विद्या लेते थे परंतु आज के ~~आदुनि~~ आधुनिक विद्यालयो ~~के~~ मे बच्चो यह न सिखा कर आंको रट्टा मारना ~~सिख~~ सिखाया जाता है जिनसे वह परीक्षाओं मे तो सफल हो जाते है किंतु जीवन जीने की शैली मे पीछे रह जाते है जिस कारण से आज हम देखते है कि हमारे देश मे बेरोजगा-री की चिंता दिन भर दिन बढती जा रही है। परंपरागत बच्चो को अच्छे स्वभाव से जिंदगी जीना और बुजुर्गो का सम्मान करना ~~व~~ वगैरह उनके माता पिता द्वारा ~~सिखाय~~ सिखाया जाता था किंतु आजकल माँ-बाप के पास टाइम नही होता और बच्चे मोबाईल फोन, कंप्युटर जैसी आधुनिक चीजो मे लगे रहते है। जिस कारण वह एक अच्छा इंसान बनने से ~~चूक~~ चूक जाते और, इन चीजो से अडिक्ट हो जाते है। किंतु अगर ~~हम~~ हम उन्हें परंपराओ और रीति रिवाजो से उनका पालन पोषण करे तो ~~नि~~ ~~निश्चित~~ निश्चित हो वह एक अच्छे इंसान और देश ~~के~~ के लिए एक अच्छा ~~ना~~ नागरिक बन कर उभरते है। परंतु हम आधुनिकता को ~~हमे~~ हमेशा गलत नही ठहरा सकते क्योंकि अगर हम इन सब आधुनिक चीजो को हमारी जरुरत के लिए उपयोग करे तो वह भी हमारे लिए एक वरदान है और हमारी सफलता का ~~क~~ एक कारण बन कर उभरते है।

आधुनिकता से हानियां :- जिस प्रकार हमने देखा कि आधुनिक चीजे हमारे लिए ~~बरदान~~ वरदान है किंतु इसके भी कई सारी हानियां हैं। आधुनिक चीजे जैसे मोबाईल फोन, कम्प्युटर वगैरह का ज्यादा इस्तेमाल करना हमारे लिए बहुत ही ज्यादा हानिकारक साबित होता है। इसमे से निकलने वाला रेडिएशन हमारे शरीर के लिए बहुत ही खतरनाक है। यह हमारे शरीर मे गंभीर बीमारियों को उत्पन्न करती है जैसे कैंसर, अंधापन, आदि। गाडीया जैसी आधुनिक चीजों की भी बहुत सारी हानियाँ होती है क्योंकि अगर हम इसे अपने काबू मे रखना नही सीखेंगे तो यह हमारी हमारे लिए खतरा है। इससे हम गंभीर दुर्घटनाओ में पड़ सकते है और हमे अपने जीवन से हाथ धोना भी पड़ सकता है। आधुनिक चीजे बनाते-बनाते मनुष्य ने रोबोट तक का अविष्कार कर दिया जो कि हमारे सब कामों को रुक कर सकता है। अगर ऐसे ही चला तो 5-10 साल बाद तो मनुष्य को कोई मूल्य ही नही होगा इस धरती पर। यही सब हानिया है आधुनिकता की जिससे हमें हमेशा सचकर रहना होगा।

) युवाओं पर असर :- परंपरा और आधुनिकता दोनो ही हमारे जीवन मे बहुत मूल्य रखते हैं। हमे दोनो को साथ-साथ ले कर चलना सीखना चाहिए जिससे हम सफलता के परिणाम

पा सके और जीवन मे निरंतर तरक्की करते रहें। (174) हमारे युवाओ पर आधुनिकता का असर परंपराओ से ज्यादा है वह परंपराओ को छोड़कर आधुनिक चीजो ~~का~~ पर ~~...~~ ज्यादा ध्यान देते हैं। जब घर के बुजुर्ग वगैरह उनको पूजा पाठ करने को बुलाते हैं तो उसे मुकर कर दोस्तो के साथ बाहर निकल जाते हैं यह उनका परंपराओ की प्रति विरोध दिखाता है। आज कल के जवानों को तो फोन से ~~...~~ नजरें हटाने ~~...~~ का ही समय नही मिलता। ~~इन~~ इन्ही कारणों ~~द~~ द्वारा हमारी युवा पीढी परंपराओ से ~~द~~ दूर हटती जा रही है और ~~...~~ गलत रास्ता की ओर अग्रसर होकर अपने जीवन को बर्बाद करते जा रहे। यही नहीं आज कल के युवा ही नही बल्कि बच्चे भी ~~...~~ इसमे अडिक्ट हो गए हैं। परंतु अगर युवा इनका सही इस्तेमाल करे तो यह सब उनके लिए लाभदायक ~~है~~ बन सकता है।

-). उपसंहार :- जिस प्रकार हमने परंपरा और आधुनिकता के बीच की टकराहट को देखा इससे हमे यही सीख मिलती है कि यह दोनो साथ-साथ चलना मुश्किल है किंतु हमे अपने युवा ~~पीढी~~ पीढ़ी को इसके बारे में सीख देनी चाहिए और उनको परंपराओ मे और आधुनिकता का सही से इस्तेमाल करने की सीख देनी चाहिए ~~जि~~ जिससे वह अपने ~~दो दोस्तो~~ दोस्तो को इसके बारे मे बता सके और सब लोग इसमे उजागर हो सके और खुद के लिए और उनके परिवार के लिए और पूरे देश के लिए कुछ अच्छा

कर सके और खुद को ~~क~~ और देश को तरक्की की 174
राह पर बढ़ावा दें। इसलिए हम सबको परंपराओं और
~~के~~ आधुनिकता मे बराबर रूप से बढ़कर
सफल इंसान ~~बन~~ बनना ~~च~~ चाहिए। जय हिंद।